सेंवामे

श्री मान्नगर निरीक्षक महोदय,
थाना बरगवॉ, जिला सिंगरौली मध्य प्रदेश

बिषय :–विप्रो कम्पनीं की धोखाधडी का शिकार विकलांग व्यक्ति खा रहा दर–दर की ठोकरें,

बिनम्र निवेदन :–मान्यवर से बिनम्र निवेदन करता हूँ कि विप्रो कम्पनीं के द्वारा भारत के समस्त बेकसूर बेरोजगारों के भबिष्य के साथ खेले जा रहे इस खेल रोका जाना, इस भ्रस्टाचार के खिलाफ आवाज उठाऐ इस मुहिम पर गौर करें और भ्रस्टाचारीओ को कडी से कडी सजा मिले जिससे इन्हें किसी के भी भविष्य के साथ खेलनें का अवसर न मिले।

मान्यवर :–माननीय थाना प्रभारी महोदय से नम्र निवेदन है किसिंगरौली जिले के बरगवां का एक विकलांग व्यक्ति निरज गुप्ता पिता श्री मुन्नीलाल गुप्ता जो कि पैर से जन्मजात विकलांग है उक्त व्यक्ति घर की माली हालत की स्थिती में स्नातक तथा आई0ए0सी0एम0 संस्थान बैढन से कम्प्यूटर हार्डवेयर नेंटवर्कींग का कोर्स किया एवं कोर्स करने के बाद दिल्ली के ए0एन0जी0कम्पनीं में सिक्योरिटी सिस्टम लगानें का काम मिल गया ।

बतौर निरज गुप्ता उक्त कार्य को बडे ही ईमानदारी व मेंहनत से करता रहा।मात्र निरज गुप्ता ही नहीं, हर नौकरी तलास करनें वाले की इच्छा होती है कि वह एक मल्टीनेंशनल कम्पनीं में एक कर्मचारी बने तभी एक दौर ऐसा आया की दिनांक 15 फरवरी 2013 को सुरेष महतो(09716218796द्ध जो की झारखंड के धनबाद जिले का रहनें वाला हैं और दिल्ली में एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करता हैं, नें बिप्रो कम्पनीं में स्थाई नौकरी के लिए बताया और कहा की तुम्हे 20,000रू बतौर सिक्योरीटी मनी देनें की बात कही जो कि वापस मिल जायेगा

निरज गुप्ता नें बातो पर विष्वास नहीं किया, तो उसने अपना आफर लेटर एवं ईमेल–आईडी (srinivasan@recruitment-wipro.com) दिखाई और कहा की नौकरी करना है तो एडवांस दे दो ;चूँकि आफर लेटर एवं ईमेल–आईडी गलत नहीं लग रहे हैंद्धसुरेष महतो ने अपने मोबाईल से एक एस0एम0एस0 कर मुझे दिनांक(19/02/2013, 9:37) को आई0सी0आई0सी आई0 बैक अकाउंट नं0 082401500489 (मुदुल घोष)दिया

दिनांक (19/02/2013, 13:16) को मुझे एक्सीस बैंक का अकाउंट नं0 9110100361137l2 (सान्डील्य आलोक कुमार सीटी सेन्टेल ब्रान्च धनबाद) पर पैसे भेजने को कहा

मैनें अपने एक्सिस बैंक अकाउंट नं0 912010037454842 से बैंक अकाउंट नं0 9110100361137l2 में अपने ए0टी0ऍम0 कार्ड नं0 4179 1700 1333 8759 से फन्ड ट्रान्सफर, पता एक्सिस बैंक ब्रांच ए0टी0ऍम0 राजा रामपुरी, कोल्हापुर, महाराष्ट्र से किया गया हूँ जो इस प्रकार हैं–

१ TRF-ATM/9110100361137l2/21/4190213/213, पर 8500 :. 2013-02-19 21:38:15

२ TRF-ATM/9110100361137l2/2235/200213/135, पर 1500 :. 20-02-2013 14:10:51

३ TRF-ATM/9110100361137l2/1885/240213/174, पर 10000:. 24-02-2013 17:42:26

दिनांक 21/02/2013को मेरे फोन से साक्षात्कार हुआ। और उसके बाद दिनांक 24/02/2013 को ऑफर लेटर आ गया। ऑफर लेटर अंदर सिक्योरिटी में था। उसमे न तो कुछ चेंज कर सकते हैं। और न ही प्रिंट कर सकते हैं। जिससेयह सब देख मैंए0एन0जी0 कम्पनी प्रबंधन को इस्तीफा दे दिया ।और इस्तीफे के 15 दिवस के बाद सुरेष

N.K. Gupta
12/09/2015

महतो के माध्यम से मुझे बताया गया, की विप्रो कम्पनी मे मेंरी ज्वायनींग को अभी दो से तीन महीनें का वक्त लगेगा। इस बीच मै अपनें घर आकर विप्रो कम्पनी के द्वारा बुलावे का इंतजार करनें लगा ।तीन महीनें का समय गुजर जानें के बाद मेंरी बात सुरेष महतो के द्वारा मुझे एक नम्बर मिला नं0–08961596670 जो आलोक सान्डील्य के नाम से था, से बात हुयी बात करनें पर मेंरी ज्वायनींग की प्रोसेस चालू हुयी।

दिनांक18/06/2013 को एक मेल जिसमे मुझसे मेंरा मेंडीकल चेक करवानें की बात हुयी तब मैने अपनी मेंडीकल की जानकारी दिनांक;21/06/2013 कोदिया गया।

दिनांक26/08/2013 को एक मेल जिसमे सिनर्जी एकाउन्ट आया। जिसमें मुझे आई0डी0 (*Log in 8740065472Password - wipro@123456)* प्राप्त हुआ। और मेंल के द्वारा बताया गया की यह एकाउन्ट 28 कार्यदिवस पुरे होनें पर साईड (https://synergy.wipro.com/NASApp/com/SynergyLogin.jsp) पर चालू होगी, पर निर्धारित समय पर यह चालू नहीं हुआ।

दिनांक 09/10/2013 को आफर मिला की अगर मैं एक या दो लडकों को और देता हूँ, तो मुझे और बडे पोस्ट पर काम दिया जायेगा ।और मुझे एक मेल दिनांक 10/10/2013कोजिसमे ऐ बताया गया, की मेरी पोस्ठ अपग्रेट कर दिया गया है। जिसका (Request No - H876400-H37) है। और मेरे द्वारा लडकों को न देने की बात पर कम्पनी के द्वारा इसी मेल के माध्यम से ऐ बताआ गया, कि अगर मै अपनी कमीटमेन्ट को 48 धन्टे के अन्दर पुरा नही की, तो मेरी ज्वाईन की प्रोसेस को रदृ कर दिया जाऐगा।

दिनांक 11/10/2013 को एक मेल के माध्यम से कम्पनी से जानने का प्रयास किया, कि कम्पनी को जो कुछ मुझसे चाहीए, वो ईमेल के माध्यम से बताऐ ।औरकम्पनी को सक्त चेताया,की अगर मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईन नही हुई, तो मै इसके लिऐ कोंट मे जाउंगा। और मेरे पास पर्याप्त सबुत भी है।

अबतब मुझे ऐ अहसास हो चुका था, कि यहा से मुझे कोई नोकरी नही मिलेगी ।और मेंरा भविष्य चौपट हो चुका है। अब मैंने अपने जहन मे ऐ पक्का इरादा कर लिया, की इन सबको पकडवा कर कानून के हवाले करूँगा ।उसके लिये मुझे चाहे जो करना पडा वो करूँगा।

इसके लिये मैने सबसे पहले दोनो एकाउंट नम्बर की डिटेल निकालने के लिये दोनो बैंक के कर्मचारीओ से गुप्त रूप से सर्म्पक किया। और उनकी जानकारी हासीलकी, जो इस प्रकार :–

1. आलोक कुमार सांडिल्या खाता कं. 91101003611371 2 एक्सीस बैंक ब्रांन्च सिटी सेन्टर धनवाद बिहार मोबाईल कं. 09088013796, 8961596670 और ईमेल आई0डी0 **shandilyaalokekumar@gmail.com**
2. मृदुल घोष और मौसमी कौल ज्वाईन्ट आई0सी0आई0सी0आई0 बैंक खाता कं. 082401500489, पतारमाकान्त मिर्स्ती, मैंन ग्रउन्ड फ्लोड मुर्चीपरा ईस्कोयर कोलकत्तामोबाईल कं. 08443926007, ईमेल आई0डी0 **rocks.jesuschrist@gmail.com**

दिनांक 19/11/2013 को कम्पनी प्रबन्धन को एक ईमेल के माध्यम से चेताया, की अगर मै यह जानकारी हासील कर सकता हु, तो तुम्हारे साथ क्या नही कर सकता। इस लिऐ मै कम्पनी से अनुरोध करता हु, कि मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाइंनिंग कर हम सबकी लाईफ को खराब होने से बचालिया जाय। अन्यथा मै एक सप्ताह मे अगर ज्वाईन नही हुई, तो मै भारत सरकार की मदत लेकर कम्पनी प्रबन्धन के खिलाफ लामबंद हो जाउँगा।

N.K. Gupta
12/09/2015

दिनांक 22/11/2013 कोकम्पनी प्रबन्धन के द्वारा मुझे समझाने का प्रयास किया गया। पर जब मै नही माना तब कम्पनी प्रबन्धन के द्वारा दिनांक 25/11/2013 को एक मेल के माध्यम से बताया गया,कि मेरे ज्वाइंनिंग कि प्रोसेस (Notice Reference No 40954-H213) को फिर से चालू किया जा रहा हैं। और मुझसे पुनः मेरे प्रमाण पत्र मागा गया।

दिनांक 26/11/2013को मेरे द्वारा दिया गया।और कम्पनी को एक महीनें का समय देकर यह बोला गया की अगर उक्त समय मे मेरी और मेरे दोस्तो की ज्वाईनींग न हुई, तो भारत सरकार की मदद की बात कही गयी थी।

दिनांक 11/12/2013 को एक मेल के माध्यम से कम्पनी प्रबन्धन द्वारा मुझे चेताया गया, की मै 24–48 धंटे के अन्दर मै सुनिश्चत करू, की जो प्रमाण प्रत्र दिया है, वह सही है। जो मेरे द्वारा दिनांक 12/12/2013 को सुनिष्चत किया गया, की मेरे द्वारा जो प्रमाण प्रत्रदिया गया है, वो सही है।और वही दुसरी ओर मै

दिनांक 24/11/2013को कम्पनीं की ईमेंल–आई0डी0 (**helpdesk.recruitment@wipro.com**) पर आफर लेटर वाली ईमेल को भेज कर जानकारी मांगी, की मेरी स्थिती क्या है।

दिनांक 13/01/2014को ईमेंल–आई0डी0 (**helpdesk.recruitment@wipro.com**) से जबाब आया, की यह सब गलत है। और यह सारी ईमेंल एक फेक ईमेल है। जिससे कम्पनीं का कोई सम्बन्ध नहीं है। तब मैंनें कम्पनीं से इसके फेक होनें का बार–बार प्रमाण मांगने पर कम्पनीं के द्वारा जानकारी नहीं दी गई। और कहा गया की मै नजदीकी पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया।

दिनांक 18/02/2014को पूरी ईमेंल की कांपी कर कंम्पनी के कम्पलेन बोर्ड में डाला गया। जिससे दिनांक 19/02/2014 को कम्पनी प्रबन्धन से एक साईड दिया गया। और बताया की गलत ईमेल यहां से बनता है।

मैरे द्वारा इस साईड का गहन अध्यन करने पर जानकारी मिली की गलत ईमेल बनाने के लिये एक फार्म भरना पडता है और कुछ पैसे आनलाईन देने होते है जो की ए0टी0एम0 से ही सम्भव है जिससे जो भी गलत ईमेल बनाता है तो उसकी पुरी जानकारी इस साईड मे जुडी होगी जिससे कम्पनी प्रबन्धन आसानी से प्राप्त कर, गलत ईमेल बनाने वाले के खिलाफ लीगल एक्षन लेकर कानूनी कार्यवाही कर सकता या पर उसने ऐसा नही किया जिससे साबित होता है कि ये पुरी प्रकीया कम्पनी प्रबन्धन ही करवा रहा है और इसके विपरीत किसी भी षिक्षण संस्थान या कोई भी कम्पनी अपने कर्मचारी को ऐसी साइड के बारे मे नही बताती है जिससे अगर कोइ बेकसुर छात्र अगर इस तरह से धोखा खाता है तो इसके लिये पुरी जिम्मेवारी कम्पनी प्रबन्धन की होनी चाहिये! वही दुसरी ओर मुझे एक मेल

दिनांक 19/02/2014 को एक ईमेल (acharya.sourav@yahoo.in) से प्राप्त हुआ। और कहा गया, कि मै अपना कलर प्रमाण पत्र की छाया कापी मागी गयी। मेरे व्दारा दिनांक 20/02/2014 को दिया गया।

दिनांक 20/02/2014को कंम्पनी के कम्पलेन बोर्ड से मुझे एक एस0एम0एस0 और एक फेसबुक लिंक आया। जिसमे मुझसे आग्रह किया गया, कि मै अपना मोबाइल नं. दु। जिससे मै कम्पनी से जुडकर जो भी मेरे पास जानकारी है, कम्पनी से साझा करु। जिससे कम्पनी उनलोगो को पकड सके। और आलोक

N.K.Gupta
12/09/2015.

सांडील्या नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है। तब मैने अपना मोबाइल नं. और ईमेल आई0डी0 सेंड कर दिया।

दिनांक 20/02/2014 को उस साइड के माध्यम से एक सौरव आर्चाया नाम का एक व्यक्ति की फोन जो मोबाईल नं. 09051923234 से आया। और ऐ बताया गया, कि आलोक नाम का एक व्यक्ति पकडा गया है।चुँकी सौरव आर्चाया सी0बी0 के माध्यम से मुझसे जुडा था। इस लिऐ मैने उसे पुरी जानकारी दे दी।और मैने सौरव आर्चाया के बारे मे सी0बी0 के माध्यम से जानकारी लि, तो दिनांक 21/02/2014 को बताया गया की हॉ यह सही है। वही दुसरी ओर

दिनांक 24/02/2014 ईमेल–आई0डी0 acharya.sourav@yahoo.in से एक मेल जिसमे बताया गया, कि मेरे ज्वाईनिंग का समय Documentation Date - 17th March, 2014 and Induction Date – 20th March, 2014 है। चुकिं मुझे सबुत कलेक्ट करना था। इसलिये मै सब कुछ देख रहा था। वही दुसरी ओर कम्पलेन बोर्ड से जो फेसबुक की साईड आई थी। उसमे ये दिखाया गया, कि मृदुल नाम का व्यक्ति भी पकडा गया है।और सौरव आर्चाया के माध्यम से कहा गया, की ऐ पुरी प्रकिया कलकत्ता कोंट मे चल रहा है। और मै नियरेस्ट पुलिस स्टेसन मे एफ0आई0आर0 करने को कहा गया।जिससे इस प्रकिया मे मजबुती आऐ।

पर मेरे गांव के पुलिस विभाग का कहना था, कि इस केस मे सी0आई0डी0 काम कर रही है।तो वो कुछ नही कर सकते।वही

दिनांक 27/02/2014 को सौरव के द्वारा ये कहा गया, की इस काम को करने मे राजनितीक अडचन आरही है। क्युकि मृदुल ने बहुत सी राजनितीक पार्टी से जुडा है। जिसकी रिकार्डींग मैने युतूब मे डाल रखी है

इसी र्दमीयान मे एक मेल दिनांक 27/02/2014 को मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल–आई0डी0 resourcing.infotech@wipro.com से मेरे दोस्त पवन नारवल के ईमेल– आई0डी0 Pk.narwal.14@gmail.com मे कंम्पनी व्दारा एक ईमेल जिसमे पुनः सिनर्जी एकाउन्ट जिसका (Synergy User Name :599080) आ गया। जो साईड https://synergy.wipro.com/CandidateWILogin.html मे खुलने की बात कही गयी। उसके बाद पुनः एक मेल जिसमे (Password-19MAANPA) इसी ईमेल–आई0डी0 से 3 घंटे के अन्दर आ गइ। इस बार एकाउंट खुल गई।

दिनांक 11/03/2014 को ईमेल–आई0डी0 mahima.hegde@wipro.com से काल लेटर (Contact Person: Dhruv) भी आ गई। पर जब मै इस काल लेटर के बारे मे कम्पनी की ईमेल–आई0डी0 helpdesk.recruitment@wipro.com से दिनांक 13/03/2014 कोजानकारी लेने की कोसीस की, तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 19/03/2014 को ऐ बताया गया। की अगर मै किसी रिकुयेटर से जुडा हुँ। तो वो मुझे इन्टरव्यु के लिये बुला रहा है। पर जब मैने

दिनांक 28/03/2014 को ईमेल–आई0 resourcing.infotech@wipro.com से आऐ हुऐ,सिनर्जी एकाउन्ट के बारे मे जानकारी मागी। तो कम्पनी के व्दारा दिनांक 03/04/2014 को जबाब न देते हुऐ। पुलिस मे एफ0आई0आर0 की बात दुहराई गई।

N.K.Gupta
12/09/2015

अब तक जो भी इस प्रोसेस को करवा रहा था वो पकडा जा चुका था। सी0बी0 की साईड पर सक तब हुआ, जब सी0बी0 की जिस साइड से सोरव मुझसे जुडा था, उस साइड से मेरे और उस साइड के वार्तालापके कुछ एस0एम0एस0 डिलीट किया जारहा है। तब मैने पुरी मेल और सबुत की बीडीओ बनाने के लिऐ दिल्ली गया। और वहा से सारी सबुत का बिडीओ **(WIPRO START TO CHEAT INNOCENCE PEOPLE PORT 1OF 5)** बनाकर मै दिनांक 16/04/2014 को यूतुब की साईड मे डालकर उसकी लींक को दिनांक 16/04/2014 को कम्पनी को सेन्ड किया गया।

Inside Story of Wipro Company
https://www.youtube.com/watch?v=NZLGQdDoukU
Who is give me offer Latter by E-mail
https://www.youtube.com/watch?v=v1sVRjwULWk&feature=youtu.be

Conversation between Neeraj Gupta and Wipro Company by E-mail
https://www.youtube.com/watch?v=HwT6nUt1cow&feature=youtu.be

About Complain Board of Wipro Company Side
https://www.youtube.com/watch?v=zxsBuUz0ImE&feature=youtu.bePart-1
https://www.youtube.com/watch?v=ZDzRBZDUYRg&feature=youtu.bePart-2
https://www.youtube.com/watch?v=bwZXaVLZADw&feature=youtu.bePart-3
Convesation between Neeraj Gupta and aloke shandilya (Voice Record)
https://www.youtube.com/watch?v=u6Ik_xGSboo Part-1
Saurev Acharya was connected me on Complain Boad of Wipro Company(Voice Record)
https://www.youtube.com/watch?v=DDteNJGbsoAPart-1
https://www.youtube.com/watch?v=JkJu9pS0yloPart-2
https://www.youtube.com/watch?v=8l-cnKacnQgPart-3
https://www.youtube.com/watch?v=_Hu7aMMp4MIPart-4
https://www.youtube.com/watch?v=rcQbftpOKx0Part-5
https://www.youtube.com/watch?v=AISGNhMFqR8Part-6
https://www.youtube.com/watch?v=B5zquEGRLyEPart-9
https://www.youtube.com/watch?v=h-2xu6DALboPart-12
https://www.youtube.com/watch?v=OdyTt2P7RaQPart-15
https://www.youtube.com/watch?v=NZaS4K7y91o&feature=youtu.bePart-20
https://www.youtube.com/watch?v=vSadQG6WKT4Part-21

पर कम्पनी प्रबन्धन को इससे कोई फर्क न पडता और कम्पनी के माध्यम से बार–बार आग्रह किया जाता रहा, की मै अपने नजदिकीय पुलिस स्टेषन मे जाकर एफ0आई0आर0 कर दु। ऐ सब देख मै दुसरी कम्पनी मे नोकरी तलासने लगा। तब एक दौर वो भी आ गया की दिनांक 18/06/2014 को मुझे एक प्राइवेट कम्पनी मै सेलेक्ट भी हो गया। और अगले दिन मुझे ज्वाइनींग करना था। पर अचानक मुझे ऐसा अनदेसा हुया, की कुछ लोग मेरा पिछा कर रहे है। जिससे मै किसी अनहोनी होने के डर से उक्त दिनांक कोही माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त बिवरण से अवगत कराने की मंषा से लेटर की कापी अपने एक अन्य दोस्त को दे कर और ये कह कर की इसे रजीस्टर्ड डाक करने कह मै दिल्ली से भाग खडा हुआ। जो मेरे दोस्त के द्वारा उक्त लेटरदिनांक 19/06/2014को माननीय प्रधान मंत्री महोदय को उक्त पत्र साउथ एक्स नई दिल्ली से रजीस्टर्ड डाक द्वारा। और मै स्वयं दिनांक 02/07/2014 को माननीय सायबर क्राइम सेल को कोरियर द्वारा बरगवां से प्रेषीत किया है। जिससे साईबर क्राईम सेल के माध्यम से एक षिकायत क्र0–६2621ध्क्ब्ध्म्ॅजो ईमेल आई0डी0 से cybercell.eow12@gmail.com प्राप्त हुआ।

N.K. Gupta
12/09/2015

Cybber Cell

<cybercell.eow12@gmail.com>
To: neeraj.gupta615@gmail.com
Reply | Reply to all | Forward | Print | Delete | Show original

OFFICE OF THE JOINT COMMISSIONER OF POLICE, ECONOMIC OFFENCES WING, CRIME BRANCH, POLICE STATION MANDIR MARG COMPLEX, MANDIR MARG, NEW DELHI-01

Sir,

Your complaint (No. C-2621/DCP/EOW dated 04.07.2014) has been forwarded to The Senior Superintendent of Police, Singrauli, Madhya Pradesh vide Dispatch No. 4682/Complaint. BR./DCP/EOW/Crime Branch, dated 08.07.2014. You may contact the concerned office for further enquiry/progress of your complaint.

I/C COMPLAINT BRANCH

EOW, CRIME BRANCH

011-23746753

अस्तु श्री मान् जी से विनम्र निवेदन हैं कि प्रार्थी को न्याय दिलाने की महान कृपाकरें।

N. K. Gupta
12/09/2015

प्रार्थी

निरज कुमार गुप्ता

मोबाईल नं0 +91–7771822877

Email-id- Neeraj.gupta615@gmail.com

बीमा नहीं/NOT INSURED

लगाये गये डाक टिकटों का मूल्य रु. 27-00 पै.

Amount of Stamps Affixed Rs. .... P

4592

एक रजिस्ट्री .... प्राप्त किया

Received a Registered ....

तारीख मोहर

Date stamp

पाने वाले का नाम ....

Addressee ....

पाने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर

486886

12-8-15

(Signature of Receiving Officer

RI109133523in